विचार बिन्दु

वही काम करना ठीक है, जिसके लिए बाद में पछताना ना पड़े, और जिसके फल को प्रसन्न मन से भोग सके। –बुद्ध

आप क्यों दूसरों को मुसीबत में डाल रहे हैं?

आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिंदी के बड़े साहित्यकार थे। साहित्य का शायद ही ऐसा कोई विद्यार्थी या अध्येता हो जिसने उनका 'हिंदी साहित्य का इतिहास' नहीं पढ़ा हो। इन्हीं रामचंद्र शुक्ल का एक अत्यंत लोकप्रिय निबंध है, 'कविता क्या है'। वैसे तो इस निबंध की विषय वस्तु इसके शीर्षक से ही स्पष्ट है, इस निबंध में इसके अतिरिक्त भी बहुत कुछ है। आज मुझे इस निबंध की यह बात याद आ रही है कि जैसे–जैसे हम अधिक सभ्य होते जा रहे हैं, छल कपट और दूसरों को हानि पहुंचाने के हमारे तरीके भी बदल रहे और अधिक जटिल होते जा रहे हैं। आज कोई आपको मारपीट कर आपका पर्स छीन लेने की बजाय आपके बैंक खाते में सेंध लगाकर आपको नुकसान पहुंचाना ज़्यादा पसंद करता है। जब तक आपको पता चलता है, आपका खाता साफ़ हो चुका होता है। आपको प्राय: यह भी पता नहीं चलता कि यह अपराध किसने किया है, जबकि मारपीट कर आपका पर्स छीनने वाले को आप देख चुके होते हैं और ज़रूरत पड़ने पर उसे पहचान भी सकते हैं। यह एक उदाहरण है। इसी तरह किसी को आपको नुकसान पहुंचाने के लिए आपके पास आने की भी ज़रूरत नहीं रह गई है। वह दूर से, बहुत दूर से भी ऐसा कर सकता है।

आचार्य रामचंद्र शुक्ल की इस बात की याद आई मुझे इन दिनों हो रहे बहुत सारे साइबर फ्रॉड्स की चर्चाएं पढ़ते–सुनते हुए। आपसे पूछता हूं, कि क्या आपने एक शब्द स्टेग्नोग्राफ़ी सुना है? अगर नहीं सुना है तो अब सुन लीजिए और इसके बारे में थोड़ा जान भी लीजिए। यह आपके बहुत काम की बात है। स्टेग्नोग्राफ़ी एक ऐसी तकनीक है जिसमें किसी चित्र, ऑडियो, वीडियो या टेक्स्ट में कोई जानकारी इस तरह छिपा दी जाती है कि देखने वाले को उसका पता नहीं चलता है। मान लीजिए मैंने आपको कोई तस्वीर भेजी – किसी प्राकृतिक दृश्य की, किसी भगवान की, किसी बच्चे या स्त्री की। या कोई गाना एमपी3 फॉर्मेट में भेजा। या फिर एमपी4 फॉर्मेट में छोटी–सी वीडियो क्लिप भेजी। या कोई लेख भेजा। आप तो यही मानेंगे कि यह निरापद है, सेफ़ है। लेकिन अगर मैं बदमाश हूं, मेरी नीयत खराब है तो मैं इनमें से किसी में भी ऐसा कोई मालवेयर छिपा कर आपको भेज सकता हूं जो आपकी गोपनीय जानकारी चुरा ले। गोपनीय जानकारी जैसे बैंक खाते का विवरण। जैसे कोई ओटीपी। जैसे आपकी आधार डिटेल्स। कुछ भी। यह स्टेग्नोग्राफ़ी इन दिनों खूब काम में ली जा रही है। और लोग लुट रहे हैं।

आम तौर पर हम क्या सावधानी बरतते हैं? यही कि किसी अनजान स्रोत से प्राप्त सामग्री के उपभोग से बचते हैं। यह सावधानी बरतना बहुत अच्छी बात है। और इससे हमारा थोड़ा बचाव होता भी है। लेकिन थोड़ा ही। ज़रा इस बात को समझें। हम में से हरेक को हर रोज़ अनगिनत संदेश मिलते हैं। सुबह–सुबह बहुत सारे गुड मॉर्निंग के संदेश, रात होते–होते गुड नाइट के संदेश, भगवान की तस्वीरें – ये सारी चीज़ें हमारे वॉट्सएप में आती हैं। निश्चय ही हमारे अपने जो इस तरह के संदेश भेजते हैं, उनकी भावनाएं पवित्र और सकारात्मक होती हैं। वे हमारे शुभाकांक्षी होते हैं इसलिए यह पुण्य कर्म करने का श्रम करते हैं। इसी तरह हममें से हरेक को 2–3–4 दिन में किसी खोये हुए व्यक्ति के बारे में कोई संदेश मिलता है कि इसे सारे ग्रुप्स में भेज कर पुण्य कमाएं, या फिर किसी चेतावनी वाला, या स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के किसी फॉर्मूले वाला संदेश मिलता है। ऐसी अनगिनत चीज़ें हमें मिलती रहती हैं। फिर कहूंगा कि हमारे अपने जो ऐसे संदेश भेजते हैं उनकी भावना पवित्र होती है।

लेकिन अब ज़रा ठहर कर इस बात की तरफ ध्यान दीजिए कि आपके अपने आपको इस तरह के जो संदेश भेजते हैं वे स्वयं उनके द्वारा रचित/निर्मित होते हैं या किसी ने उनको भेजे हैं और उन्होंने सद्भावना में आपको फॉरवर्ड कर दिया है। अगर सावधानी से देखेंगे तो आप पाएंगे कि इस तरह मिलने वाले संदेशों में अधिकांश किसी और के द्वारा निर्मित और हमारे अपनों द्वारा केवल फॉरवर्ड किए हुए होते हैं। ये भगवान की तस्वीरें, गुड मॉर्निंग, गुड नाइट, फूल पत्तियां, सुभाषित – सब के सब किन्हीं अज्ञात, अनजान लोगों द्वारा निर्मित होते हैं और हमारे शुभाकांक्षी इन्हें फॉरवर्ड करके पुण्य कमाते हैं। अब सोचिये कि ये जो अनजान–अज्ञात हैं क्या इनमें कोई छलिया, अपराधी नहीं हो सकता? जिसने फूल पत्ती, भगवान या किसी मनोरम दृश्य की तस्वीर बनाई है या किसी की मदद करने का संदेश लिखा है या कोई उपदेश देने वाला वीडियो बनाया है, उसमें उसने स्टेग्नोग्राफ़ी का इस्तेमाल करके आपको नुकसान पहुंचाने या लूटने का इंतज़ाम भी तो किया हो सकता है! निश्चय ही सारे लोग बुरे नहीं होते। बहुत सारे लोग बड़े पवित्र भाव से ऐसा करते होंगे, लेकिन अगर कुछ लोग भी उनके बीच ऐसे हों और दुर्भाग्य से आप ही उनके शिकार बन जाएं तो?

> **स्वास्थ्य विषयक बहुत सारे वीडियो क्लिप इधर से उधर ठेले जाते रहते हैं। बहुत सारे तो ऐसे होते हैं जो प्रथम दृष्टि में ही मूर्खतापूर्ण लगते हैं, लेकिन उन्हें भी थोक के भाव आगे ठेला जाता है। मैंने तो बहुत बार ऐसे संदेशों पर अपने मित्रों परिचितों से बात भी की है, और उनका बहुत भोलेपन से भरा जवाब मुझे मिला है कि पीछे से आया था, हमने आगे भेज दिया। आश्चर्य और क्षोभ की बात यह कि उन्हें ऐसा करने का तनिक भी अफसोस नहीं होता। सोचिये, इस भोलेपन से व किसका भला कर रहे हैं? भला कर भी रहे हैं या नहीं? या किसी और की मुसीबत का इंतज़ाम कर रहे हैं!**

इस सारी चर्चा के बाद आप भी सोचेंगे, और अगर न सोच रहे हों तो सोचें कि किसी अन्य और अज्ञात द्वारा तैयार किए गए संदेश भेजने के पीछे हमारी क्या मज़बूरी है? मैं पाता हूं कि बहुत सारे लोग हर सुबह भगवान की चार–पांच–छह या इससे भी ज़्यादा तस्वीरें बिना नागा भेजते हैं। भगवान में उनकी आस्था है, इस बात को मैं स्वीकार करता हूं और इस बात का सम्मान करता हूं कि वे भी मुझे अपने पुण्य में भागीदार बनाने को उत्सुक रहते हैं। लेकिन यह पवित्र काम क्या किसी और तरह से, जो सुरक्षित हो, नहीं किया जा सकता? आप दो शब्द – राम–राम, राधे–राधे, जय सिया राम, जय श्री कृष्ण कुछ भी ख़ुद टाइप करके भेज दें तो भी शायद इतना ही पुण्य आपको और आपके संदेश पाने वालों को मिलेगा। ऐसा करना सुरक्षित भी होगा। आपको कहीं से किसी खोए हुए बच्चे, पुरुष या स्त्री के बारे में संदेश मिला और आपने बिना एक पल भी विचार किए उसे पंद्रह बीस लोगों को अग्रेषित कर दिया। मैं चाहूंगा कि ऐसा करने से पहले आप सोचें। जल्दबाज़ी क्यों? आपको कौन 'दुनिया का सबसे तेज़ चैनल' होने का इनाम लेना है! किसी और के भेजे संदेश पर आपको आंख मूंद कर भरोसा क्यों कर लेना चाहिए? स्वास्थ्य विषयक बहुत सारे वीडियो क्लिप इधर से उधर ठेले जाते रहते हैं। बहुत सारे तो ऐसे होते हैं जो प्रथम दृष्टि में ही मूर्खतापूर्ण लगते हैं, लेकिन उन्हें भी थोक के भाव आगे ठेला जाता है। मैंने तो बहुत बार ऐसे संदेशों पर अपने मित्रों परिचितों से बात भी की है, और उनका बहुत भोलेपन से भरा जवाब मुझे मिला है कि पीछे से आया था, हमने आगे भेज दिया। आश्चर्य और क्षोभ की बात यह कि उन्हें ऐसा करने का तनिक भी अफसोस नहीं होता। सोचिये, इस भोलेपन से व किसका भला कर रहे हैं? भला कर भी रहे हैं या नहीं? या किसी और की मुसीबत का इंतज़ाम कर रहे हैं!

माना कि वॉट्सएप मुफ्त है और हमारे देश में इंटरनेट भी काफी सस्ता है। लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि हम हर अनावश्यक संदेश को आगे भेजने की नादानी में डूबे रहें! अब, जबकि मैं आपको इस तरह के बग़ैर सोचे–समझे किए जाने वाले काम के ख़तरे की जानकारी दे चुका हूं, यह अनुरोध और करना चाहूंगा कि बेशक आप लोगों के प्रति सद्भावी बने रहें। हो सके तो अपनी सद्भावना को और बढ़ाएं। आप सबके भले की कामना करें। जिसमें भी आपकी आस्था है –किसी देवता में, किसी विचार में, किसी राजनीतिक दल में, किसी नेता में, किसी में भी–उसे बनाए रखें। यह आपकी आज़ादी है, और आपका अधिकार भी। लेकिन मेहरबानी करके अनावश्यक और किसी अज्ञात द्वारा निर्मित संदेश को, चाहे वह कितना भी अच्छा क्यों न हो, आगे ठेलने की आदत को तुरंत छोड़ दें। आपका ऐसा करना आपके प्रियजन को मुसीबत में पड़ने से बचा सकता है, और मुझे विश्वास है कि आप भी ऐसा ही करना चाहेंगे। आपको कोई संदेश देना है, उसे ख़ुद लिखें। अगर आपको तस्वीर भेजनी है, अपनी खींची हुई तस्वीर भेज दें। अपनी नहीं तो अपने किसी जानने वाले की खींची हुई भेज दें। लेकिन अज्ञात द्वारा रचित सामग्री को भेजने से बचें! ऐसा करना आपके और पूरे समाज के हित में होगा।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

''विजन डॉक्यूमेंट 47- राजस्थान को पिछली असफलताओं से सीखने की कवायद''

राजेन्द्र मोहन शर्मा

राजस्थान, भारत का सबसे बड़ा और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य, अपनी प्राकृतिक और ऐतिहासिक संपदा के लिए विश्व विख्यात है। लेकिन इस चमक–दमक के पीछे कई गंभीर चुनौतियां हैं, जो इसके विकास के मार्ग में बाधा बन रही हैं। विजन 47 एक ऐसे भविष्य की ओर इशारा करता है, जहां इन चुनौतियों का समाधान करते हुए राज्य को समृद्ध, समावेशी और सतत विकास की राह पर ले जाया जाए। केंद्र सरकार द्वारा तैयार किया जा रहा विजन इंडिया 2047 दस्तावेज, जो 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की महत्वाकांक्षा रखता है, राजस्थान जैसे राज्यों के लिए भी एक रोडमैप प्रदान करता है।

2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान की जनसंख्या 6.85 करोड़ थी, (जो अब अनुमानत: आठ करोड़ से अधिक है) जिसमें पुरुषों की संख्या 3.55 करोड़ और महिलाओं की 3.29 करोड़ थी। दशकीय वृद्धि दर 21.3प्रतिशत थी, जिसमें शहरी क्षेत्रों में 29प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 19प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बाड़मेर जिला सर्वाधिक वृद्धि दर (32.5 प्रतिशत) वाला रहा, जबकि गंगानगर में सबसे कम (10 प्रतिशत)। यह आंकड़ा दर्शाता है कि आबादी का दबाव, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, संसाधनों पर भारी बोझ डाल रहा है। थार मरुस्थल, जो राजस्थान के लगभग 62प्रतिशत हिस्से को कवर करता है, जल और कृषि योग्य भूमि की कमी के कारण जनसंख्या प्रबंधन को और जटिल बनाता है। बढ़ती जनसंख्या के कारण जल, जमीन, और बुनियादी सुविधाओं की मांग बढ़ रही है, जो पहले से ही सीमित हैं। इसके परिणामस्वरूप, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में असमानता बढ़ रही है, और बुनियादी ढांचे, जैसे सड़क, बिजली, और आवास, पर दबाव बढ़ रहा है। बढ़ता शहरीकरण राजस्थान की एक और प्रमुख चुनौती है। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और कोटा जैसे शहर तेजी से विस्तार कर रहे हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान की शहरी जनसंख्या 24.87प्रतिशत थी, जो अब और बढ़ कल 35प्रतिशत के आसपास है। शहरीकरण ने न केवल बुनियादी ढांचे पर दबाव डाला है, बल्कि मलिन बस्तियों, यातायात जाम, और प्रदूषण जैसी समस्याओं को भी जन्म दिया है। जयपुर, जिसे गुलाबी नगरी के नाम से जाना जाता है, पर्यटन और औद्योगिक गतिविधियों का केंद्र है, लेकिन वहां अपर्याप्त आवास और स्वच्छता सुविधाओं ने शहरी गरीबी को बढ़ाया है। इसके अलावा, अनियोजित शहरीकरण के कारण कृषि भूमि का ह्रास हो रहा है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक है। शहरी क्षेत्रों में अपर्याप्त बुनियादी ढांचा, जैसे अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छ पेयजल की कमी, जीवन स्तर को प्रभावित कर रहा है। कृषि राजस्थान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन यह क्षेत्र कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। राज्य का अधिकांश हिस्सा शुष्क और अर्ध–शुष्क है, और कृषि मुख्य रूप से मानसून पर निर्भर है। सिंचाई की कमी के कारण किसान मौसमी बेरोजगारी और फसल खराब होने की समस्या से जूझ रहे हैं। थार मरुस्थल और अरावली पर्वतमाला की भौगोलिक स्थिति के कारण केवल 35प्रतिशत भूमि ही सिंचाई के लिए उपलब्ध है। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन ने वर्षा के पैटर्न को प्रभावित किया है, जिससे सूखे की स्थिति और गंभीर हो गई है। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में प्राकृतिक संसाधनों का सतत प्रबंधन जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक है। छोटे और सीमांत किसानों, जो राजस्थान के अधिकांश किसानों का प्रतिनिधित्व करते हैं, को आधुनिक तकनीकों और उन्नत बीजों तक पहुंच की कमी है। इसके परिणामस्वरूप, कृषि उत्पादकता कम है, और किसानों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।स्वास्थ्य सेवाएं राजस्थान में एक और गंभीर मुद्दा हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की कमी है। कुपोषण, विशेष रूप से बच्चों और गर्भवती महिलाओं में, एक बड़ी समस्या है। 13 जनवरी 2025 को जयपुर जिला प्रशासन द्वारा शुरू किया गया लाडेसर अभियान कुपोषित और अति–कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, कोटा–बूंदी क्षेत्र में 'सुपोषित मां' अभियान का तीसरा चरण 3 जनवरी 2025 को शुरू हुआ, जो गर्भवती महिलाओं के पोषण और स्वास्थ्य पर केंद्रित है। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सीमित है, और अंधविश्वास के कारण कई लोग पारंपरिक उपचारों पर निर्भर हैं, जो गंभीर बीमारियों के इलाज में अप्रभावी हैं। शहरी क्षेत्रों में भी, अस्पतालों में बिस्तरों और चिकित्सकों की कमी एक समस्या है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है। शिक्षा के क्षेत्र में भी राजस्थान कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में अशिक्षा और स्कूल छोड़ने की दर अधिक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत राजस्थान में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जैसे स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटी एजुकेशन (एंई)। फिर भी, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी, अपर्याप्त स्कूल सुविधाएं, और लड़कियों की शिक्षा में सामाजिक बाधाएं प्रमुख समस्याएं हैं। सावित्रीबाई फुले अभ्यास केंद्रों का उद्घाटन, जो 3 जनवरी 2025 को हुआ, शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम है। लेकिन, शिक्षा का स्तर अभी भी राष्ट्रीय औसत से नीचे है, और डिजिटल शिक्षा तक पहुंच की कमी ग्रामीण–शहरी डिजिटल विभाजन को और गहरा रही है। रोजगार की स्थिति भी राजस्थान में चिंताजनक है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर हैं, जो मौसमी और अनिश्चित है। शहरी क्षेत्रों में, अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार की अधिकता और कुशल रोजगार की कमी एक बड़ी समस्या है। राजस्थान सरकार ने एक नीति 2024 को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाना है। इसके बावजूद, बेरोजगारी दर, विशेष रूप से युवाओं में, अधिक है। शिक्षित युवाओं के लिए उपयुक्त रोजगार की कमी के कारण माइठोशन एक आम समस्या बन गई है, जहां लोग बेहतर अवसरों की तलाश में अन्य राज्यों में जा रहे हैं।महिलाओं को समान अवसर प्रदान करना राजस्थान में एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दा है। हालांकि, राष्ट्रीय महिला आयोग के ''महिला आयोग आपके द्वार'' अभियान जैसे प्रयासों ने महिलाओं की शिकायतों के त्वरित समाधान की दिशा में कदम उठाए हैं। फिर भी, लैंगिक असमानता, बाल विवाह, और कार्यस्थल पर भेदभाव जैसी समस्याएं बरकरार हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सीमित है, और सामाजिक रूढ़ियों के कारण उनकी भागीदारी आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में कम है। जयपुर पुलिस आयुक्तालय द्वारा शुरू किया गया 'ऑपरेशन गरिमा' महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक सराहनीय कदम है, लेकिन सामाजिक बदलाव के लिए दीर्घकालिक प्रयासों की आवश्यकता है। 'विकसित राजस्थान' के लिए तैयार की जा रही डाक्यूमेंट को केवल अट्ठारह साल की अवधि (2023–2041) के लिए क्यों बनाया जा रहा है, यह एक विचारणीय प्रश्न है। इसका जवाब राजस्थान विजन–2030 दस्तावेज में निहित हो सकता है, जिसे 2023 में लॉन्च किया गया था। यह दस्तावेज 2030 तक के लिए एक रोडमैप प्रदान करता है, जो सामाजिक, आर्थिक, और औद्योगिक प्रगति पर केंद्रित है। अट्ठारह साल का समय संभवत: इसलिए चुना गया है, क्योंकि यह दो दशकों के करीब है, जो दीर्घकालिक नीतियों और परियोजनाओं के परिणाम देखने के लिए पर्याप्त समय देता है। यह अवधि सतत विकास लक्ष्यों के साथ भी संरेखित हो सकती है, जो 2030 तक के लिए निर्धारित हैं, और इसके बाद के दशक में उनके प्रभाव को मापने के लिए अतिरिक्त समय देती है। इसके अलावा, यह अवधि राजस्थान के युवा जनसांख्यिकीय लाभांश का उपयोग करने के लिए उपयुक्त हो सकती है, क्योंकि राज्य की जनसंख्या में युवाओं का अनुपात अधिक है। हालांकि, इस समयसीमा की सीमित अवधि यह सवाल उठाती है कि क्या दीर्घकालिक पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों को पूरी तरह संबोधित किया जा सकेगा। विजन इंडिया 2047 एक व्यापक राष्ट्रीय योजना है, जिसका लक्ष्य 2047 तक भारत को 30 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था और 18,000–20,000 की प्रति व्यक्ति आय के साथ एक विकसित राष्ट्र बनाना है। यह योजना समृद्धि, आधुनिक बुनियादी ढांचा, और सामाजिक समावेश पर केंद्रित है। राजस्थान जैसे राज्यों के लिए यह दस्तावेज महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह स्थानीय चुनौतियों को संबोधित करने के लिए एक राष्ट्रीय ढांचा प्रदान करता है। विभिन्न मंत्रालयों, अनुसंधान संस्थानों, और विशेषप्रतिशतों के साथ विचार–मंथन के बाद यह दस्तावेज तैयार किया जा रहा है। लेकिन इसकी तैयारियों में कुछ संभावित कमियां उजागर हो रही हैं। पहली कमी अपर्याप्त स्थानीय भागीदारी है। विजन इंडिया 2047 में राष्ट्रीय स्तर पर नीतियां बनाई जा रही हैं, लेकिन राजस्थान जैसे राज्यों की स्थानीय आवश्यकताओं और भौगोलिक विविधताओं को शामिल करने में कमी हो सकती है। उदाहरण के लिए, थार मरुस्थल की जलवायु और जल संसाधनों की कमी को राष्ट्रीय नीतियों में पूरी तरह संबोधित करना चुनौतीपूर्ण है। दूसरी कमी श्रम बल भागीदारी की है। नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण 2022–2023 के अनुसार, भारत की श्रम शक्ति भागीदारी दर 40.4प्रतिशत है, जो वैश्विक औसत 61.4प्रतिशत से कम है। राजस्थान में भी यह समस्या गंभीर है, विशेष रूप से महिलाओं के लिए, जहां सामाजिक रूढ़ियां उनकी आर्थिक भागीदारी को सीमित करती हैं। तीसरी कमी अनियोजित शहरीकरण से संबंधित है। विजन 2047 में आधुनिक बुनियादी ढांचे पर जोर है, लेकिन अनियोजित शहरीकरण और मलिन बस्तियों की समस्या को संबोधित करने के लिए स्पष्ट रणनीति की कमी हो सकती है। चौथी कमी पर्यावरणीय स्थिरता की है। जलवायु परिवर्तन और सूखे की समस्या को देखते हुए, विजन 2047 में पर्यावरणीय स्थिरता पर अधिक ध्यान देना होगा।

राजस्थान में सौर और पवन ऊर्जा की पहल (125 गीगावाट सौर ऊर्जा का लक्ष्य 2029–30 तक) सकारात्मक हैं, लेकिन जल संरक्षण और मरुस्थलीकरण जैसे मुद्दों पर और काम चाहिए। पांचवीं कमी सामाजिक समावेश से जुड़ी है। विजन 2047 में सामाजिक समावेश की बात की गई है, लेकिन महिलाओं, अल्पसंख्यकों, और ग्रामीण समुदायों के लिए ठोस नीतियों की कमी हो सकती है।भारत का विजन 2020 दस्तावेज, जिसे 2000 के दशक में तैयार किया गया था, 2020 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखता था। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा, और आर्थिक विकास पर जोर था। हालांकि, कई क्षेत्रों में यह दस्तावेज अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में असफल रहा, जो राजस्थान के संदर्भ में भी प्रासंगिक है। पहली कमी शिक्षा और स्वास्थ्य में अपर्याप्त प्रगति थी। विजन 2020 में 100प्रतिशत साक्षरता और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच का लक्ष्य था, लेकिन राजस्थान में ठाामीण क्षेत्रों में अशिक्षा और कुपोषण की समस्या बनी रही। 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान की साक्षरता दर 66.1प्रतिशत थी, जो राष्ट्रीय औसत 74 से कम थी। दूसरी कमी कृषि और ग्रामीण विकास में थी। विजन 2020 में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की बात थी, लेकिन राजस्थान में सिंचाई सुविधाओं और आधुनिक कृषि तकनीकों की कमी बनी रही। छोटे किसानों को वित्तीय सहायता और बाजार तक पहुंच प्रदान करने में कमी रही। तीसरी कमी रोजगार सृजन में थी। विजन 2020 में बेरोजगारी कम करने का लक्ष्य था, लेकिन राजस्थान में कुशल रोजगार की कमी और माइग्रेशन की समस्या बरकरार रही। अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार की अधिकता ने आर्थिक असमानता को बढ़ाया। चौथी कमी महिलाओं के सशक्तिकरण में थी। विजन 2020 में लैंगिक समानता पर जोर था, लेकिन राजस्थान में बाल विवाह और कार्यस्थल पर भेदभाव जैसी समस्याएं कम नहीं हुईं। सामाजिक जागरूकता और कानूनी लागू करने में कमी रही। पांचवीं कमी बुनियादी ढांचे से संबंधित थी। हालांकि सड़क और बिजली जैसी सुविधाओं में सुधार हुआ, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे की कमी और शहरी क्षेत्रों में अनियोजित विकास ने विजन 2020 के लक्ष्यों को प्रभावित किया। इन सभी चुनौतियों के बावजूद, राजस्थान में विकास की अपार संभावनाएं हैं। पर्यटन, जो राज्य की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख हिस्सा है, को और अधिक सतत और समावेशी बनाया जा सकता है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए खाटू श्याम जी से उज्जैन तक आध्यात्मिक कॉरिडोर और पुष्कर में ब्रह्मलोक कॉरिडोर जैसे प्रोजेक्ट्स शुरू किए गए हैं। इसके अलावा, राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024 के तहत 2029–30 तक 125 गीगावाट सौर ऊर्जा, 90 गीगावाट पवन और हाइब्रिड ऊर्जा, और 10 गीगावाट हाइड्रो पम्प स्टोरेज ऊर्जा का लक्ष्य रखा गया है। यह न केवल पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देगा, बल्कि रोजगार सृजन में भी योगदान देगा। भविष्य के लिए कुछ ठोस सुझाव इस प्रकार हैं। सबसे पहले, जल प्रबंधन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राजस्थान में जल संकट को देखते हुए, ड्रिप इरिगेशन, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, और जल संरक्षण नीतियों को प्राथमिकता दी जाए। दूसरा, शिक्षा और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। ठाामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। तीसरा, स्वास्थ्य सुधार के लिए मोबाइल हेल्थ यूनिट्स और टेलीमेडिसिन को बढ़ावा देकर ठाामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत की जाएं। चौथा, महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और आर्थिक अवसरों तक उनकी पहुंच बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान और कानूनी सहायता केंद्र स्थापित किए जाएं। पांचवां, नियोजित शहरीकरण के लिए अपशिष्ट प्रबंधन, हरित भवन, और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाए। छठा, कृषि में नवाचार, जैसे जैविक खेती और सूखा–प्रतिरोधी फसलों को बढ़ावा देना, किसानों की आय बढ़ाने में मदद करेगा। सातवां, विजन 2047 में राजस्थान की स्थानीय समस्याओं को संबोधित करने के लिए पंचायतों और स्थानीय नेताओं को शामिल किया जाए। स्पष्ट है कि विजन इंडिया 2047 और 'विकसित राजस्थान' डाक्यूमेंट्र विकास के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं, लेकिन इनमें स्थानीय भागीदारी, पर्यावरणीय स्थिरता, और सामाजिक समावेश पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। पिछले विजन 2020 दस्तावेज की कमियों, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार में अपर्याप्त प्रगति, से सबक लेते हुए, नई योजनाओं को अधिक समावेशी और प्रभावी बनाया जाना चाहिए। राजस्थान की भौगोलिक और सामाजिक चुनौतियों को देखते हुए, दीर्घकालिक और स्थानीय स्तर पर केंद्रित नीतियां ही 'विकसित राजस्थान' के सपने को साकार कर सकती हैं। यदि इन सुझावों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, तो राजस्थान न केवल भारत का, बल्कि विश्व का एक अठाणी राज्य बन सकता है।

–राजेन्द्र मोहन शर्मा,
वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षाविद और चिन्तक

जुलाई के अंतिम सप्ताह में जोधपुर से दिल्ली के बीच कई ट्रेनें रद्द रहेंगी

दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रिक इंटरलॉकिंग कार्य कराए जाने के कारण ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा

जोधपुर, (कासं)। जुलाई के अंतिम सप्ताह में जोधपुर से दिल्ली रेलवे स्टेशनों के बीच चलने वाली कुछ ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा जिसके अंतर्गत कई ट्रेनें रद्द रहेगी तथा कई परिवर्तित मार्ग से चलाई जाएगी।

उत्तर–पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल के दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रिक इंटरलॉकिंग कार्य कराए जाने के कारण जुलाई में जोधपुर से दिल्ली के बीच ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा, जिसके तहत 20 से 28 जुलाई तक इस मार्ग पर जहां चुनिंदा ट्रेनें रद्द रहेगी वहीं कुछ ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा।

ट्रेन 22421 दिल्ली सराय रोहिल्ला–जोधपुर सालासर सुपरफास्ट दिल्ली सराय रोहिल्ला से 21 से 28 जुलाई तक (8 ट्रिप), ट्रेन 22422 जोधपुर–दिल्ली सराय रोहिल्ला सालासर सुपरफास्ट जोधपुर से 21 से 29 जुलाई तक (9 ट्रिप) रद्द रहेगी। इसी तरह ट्रेन 12464 जोधपुर–दिल्ली सराय रोहिल्ला राजस्थान संपर्क क्रांति सुपरफास्ट जोधपुर से 24 जुलाई को (1 ट्रिप) रद्द रहेगी। ट्रेन 22481 जोधपुर–दिल्ली सराय रोहिल्ला सुपरफास्ट जोधपुर से 20 से 27 जुलाई तक (8 ट्रिप) तथा ट्रेन 22482 दिल्ली सराय रोहिल्ला–जोधपुर सुपरफास्ट दिल्ली सराय रोहिल्ला से 21 से 28 जुलाई तक (8 ट्रिप) रद्द रहेगी।

वहीं ट्रेन 12323 हावड़ा–बाड़मेर सुपरफास्ट जो 22 व 25 जुलाई को (2 ट्रिप) हावड़ा से प्रस्थान करेगी। वह परिवर्तित मार्ग दिल्ली–दिल्ली केसरगंज–दयाबस्ती–पटेल नगर होकर संचालित होगी। ट्रेन 14088 जैसलमेर–दिल्ली रूणिचा एक्सप्रेस जो 26 व 27 जुलाई (2 ट्रिप) दिल्ली से रवाना होगी। वह परिवर्तित मार्ग पटेलनगर–दयाबस्ती–दिल्ली केसरगंज–दिल्ली होकर संचालित होगी।

ट्रेन 14661 बाड़मेर–जम्मूतवी शालीमार एक्सप्रेस जो 21 से 28 जुलाई तक (8 ट्रिप) जम्मूतवी से प्रस्थान करेगी। वह परिवर्तित मार्ग पटेलनगर–दिल्ली केसरगंज–दयाबस्ती–दिल्ली होकर संचालित होगी, जबकि ट्रेन 14662 जम्मूतवी–बाड़मेर शालीमार एक्सप्रेस जो 26 व 27 जुलाई (2 ट्रिप) जम्मूतवी से प्रस्थान करेगी। वह परिवर्तित मार्ग दिल्ली–दिल्ली केसरगंज–दयाबस्ती–पटेलनगर होकर संचालित होगी। ट्रेन 20488, दिल्ली–बाड़मेर मालानी सुपरफास्ट जो 22 जुलाई को (1 ट्रिप) दिल्ली से प्रस्थान करेगी, वह परिवर्तित मार्ग दिल्ली–दिल्ली केसरगंज–दयाबस्ती–पटेलनगर होकर संचालित होगी।

राशिफल

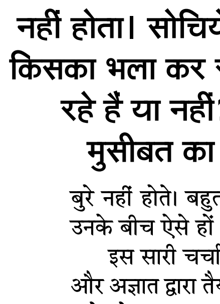

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 2 जून, 2025

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, मघा नक्षत्र रात्रि 10:56 तक, व्याघात योग प्रात: 8:20 तक, गर करण प्रात: 8:17 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–सिंह, मंगल–कर्क, बुध–वृष, गुरू–मिथुन, शुक्र–मेष, शनि–कुम्भ, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज भद्रा रात्रि 8:35 से आरम्भ होगी। विवाह मुहुर्त मघा नक्षत्र में है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:19 तक, शुभ 9:01 से 10:43 तक, चर 2:06 से 3:48 तक, लाभ अमृत 3:48 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:12

मेष
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच–विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

वृष
घर–परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

कन्या
घर–गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

तुला
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। शुभ–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। परिवार में मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय रहेगा। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।